Dr. sunil kumar suman

Assistant professor (Guest)

D.B.College jaynagar,

study Material

B.A. Part-1 Gen./ Sub Psychology Date:-25-04-2020

Difference between perception and sensation:- मनोविज्ञान के बहुत से अमूर्त, अस्पष्ट एवं विवाद ग्रस्त विषयों में संवेदन भी एक है।

वुन्ट के अनुसार ज्ञानात्मक क्रियाओं (cognitive process) की दो अवस्थाएं होती है:- पहली अवस्था संवेदन और दूसरी अवस्था प्रत्यक्षज्ञान अथवा अवगम (perceptions)कहते हैं।

अब देखना है *संवेदन एवं अवगम में भेद* 1. संवेदन किसी उद्दीपन का सरलतम तथा अर्थहीन ज्ञान है, अवगम उद्दीपन का जटिल एवं सार्थक ज्ञान है। 2. संवेदन में किसी उद्दीपन की भौतिक विशेषताओं का ज्ञान होता है, जबकि अवगम में वस्तु(object) का ज्ञान होता है। 3. संवेदन केबल ग्राहक कोशिका, तंत्रिका कोशिका तथा मस्तिष्क के संवेदी क्षेत्रों की क्रियाएं होती है, इसके विपरीत अवगम में इन सभी क्रियाओं के अतिरिक्त मस्तिष्क के संयोजक(associative) क्षेत्रों का भी होता है।

4. उद्दीपन एक होने पर सभी व्यक्तियों में संवेदन एक समान होता है। जबकि उद्दीपन का अव गम विभिन्न व्यक्तियों की अलग अलग हो सकता है ।संवेदन एवं अवगम के भेदों को और भी स्पष्ट करने के लिए गिब्सन 1963 के अनुसार संवेदी विभेदन (Sensory discrimination) की बातें अवगमात्मक विभेदन(Perceptual discrimination) की बातों से पूर्णतया भिन्न है। संवेदन के प्रकार, तीव्रता, विस्तार, सत्ता काल,वर्ण, दीप्ति ,संतृप्ति, प्रबलता दबाव शीत, ताप और पीड़ा इत्यादि के अनुभव होते हैं। इसके विपरीत अवगम में वातावरण के विभिन्न विमाओं(dimensions) ,जैसे सतह (surfaces) स्थान, वस्तु, पशु तथा चिन्हों का ज्ञान होता है। अवगम में अर्थ होता है, संवेदन में नहीं। रंग का धब्बा रंगीन वस्तु देखने से भिन्न है। त्वचा पर गर्मी का अनुभव सूर्य की गर्मी का अनुभव नहीं है और ठंडक के अनुभव से यह बोध नहीं होगा कि मौसम सर्द है।

इससे स्पष्ट होता है कि चीन अनुभवों की हम रिपोर्ट देते हैं उद्दीपन के नहीं बल्कि वह उद्दीपन वस्तुओं (stimulus objects) के होते हैं जिनमें अनेक ज्ञानेंद्रियों का योगदान रहता है जिससे संसार का एक अत्यधिक उपयोगी चित्र मिलता है।